घूमा विकास का पहिया...धरातल पर 114 इकाइयां

2023 से अब तक 1746.29 करोड़ की 184 यूनिट का हुआ एमओयू, 70 यूनिटों को धरातल पर आने का इंतजार

संवाद न्यूज एजेंसी

महराजगंज। जिले में विकास का पहिया तेजी से घूम रहा है। औद्योगिक इकाइयां धरातल पर दिख रहीं है। मेडिकल शिक्षा, उत्पादन इकाई, होटल समेत अन्य उद्योग धंधे आगे बढ़ रहे हैं।

गुजरे वक्त में औद्योगिक विकास के नाम पर सिर्फ ईंट-भट्ठे व राइसमिल हुआ करते थे, लेकिन सरकार की ओर से मिले प्रोत्साहन से जिले में औद्योगिक विकास को गति मिली। वर्ष 2023 से अब तक 1746.29 करोड़ की 184 यूनिट का एमओयू हुआ है। इसमें 70 परियोजनाओं का धरातल पर लाने का प्रयास जारी है। ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी @ 4.0 के अंतर्गत एक मेडिकल कॉलेज अस्पताल 300 करोड़ से बन कर संचालित है।

वहीं राइस मिल की 56 इकाइयां कुल 187 करोड़, होटल एवं रिसॉर्ट की 12 इकाइयों पर 90.8 करोड़, एजुकेशन सेक्टर में नौ कॉलेज 29 करोड़ से, फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज में 12 इकाइयों पर 38.4 करोड़, वेयर हाउस/गोडाउन की पांच इकाइयां 23.9 करोड़ में, मेडिकल उपकरण बनाने वाली तीन इकाइयां 6.55 करोड़ में, पोल्ट्री/गोट फार्मिंग की सात इकाइयां कुल सात करोड़ व अन्य विविध उद्योग की सात इकाइयां 17.8 करोड़ के निवेश से काम शुरू कर दी है।

बदल रहा है महराजगंज

इंवेस्टर्स समिट में साइन हुए एमओयू के बाद से पयर्टन सुविधाएं बढ़ रही हैं। अब तक 1746.29 करोड़ निवेश हो चुका है। तीन बड़े होटल एवं रिसॉर्ट बनकर संचालित हो रहे हैं। इससे पर्यटन कारोबार को पंख लगने के साथ ही आसपास के लोगों को रोजगार भी मिल रहा है। नेपाल जाने वाले विदेशी पर्यटकों के लिए महराजगंज रूकने का उत्तम स्थान मिल रहा है।

पर्यटकों के लिए कप्तानगंज मार्ग पर पटखौली के पास 22 करोड़ रुपये की लागत से रिसॉर्ट बना है। करीब पांच एकड़ भूमि में फैले रिसॉर्ट में पर्यटकों की सुख-सुविधाओं के लिए बेहतर व्यवस्था है। वाटर पार्क, स्वीमिंग पुल, कमरे, रेस्टोरेंट है। नौकायन की भी सुविधा जल्द मिलेगी।

गुजरे वक्त की बात करें तो यह क्षेत्र रिसॉर्ट बनने के पहले सुनसान रहता था। अब चहल-पहल बढ़ गई है। अभी पर्यटक नहीं आ रहे हैं, लेकिन आसपास के लोग देखने जरूरत आते हैं। इन दिनों यहां लोगों की अधिक भीड़ लगती है।

शहर के नए हिस्से में जुड़े महुअवा ढाले पर एक स्क्रीन का सिनेमाहाल बना है। वर्तमान में यह संचालित हो रहा है। अभी मॉल तैयार हो चुका है। करीब 10 करोड़ रुपये इस परियोजना की लागत है।

सिटीजन फोरम के महासचिव विमल पांडेय ने बताया कि इन्वेस्टर्स समिट में साइन हुए एमओयू से जिले में पर्यटन सुविधाएं बढ़ रही हैं।

महुअवा में निर्माणाधीन होटल। संवाद

70 परियोजनाएं नहीं उतरीं धरातल पर

जिले में एमओयू होने में शामिल 70 परियोजनाएं धरातल पर नहीं उतरी हैं। विभाग की ओर से इनकी अड़चनों को दूर कराने के साथ मार्गदर्शन दिया जा रहा है। शहर के मऊपाकड़ मोहल्ले में 35,00 स्क्वायर फीट में सफारी होटल भी बन रहा है। पर्यटकों के लिए इसमें बेहतर सुविधाएं होंगी। जंगल सफारी में भ्रमण करने के लिए लोगों को यहां से सहूलियत मिलेगी। गौनरिया बाबू में रिसॉर्ट बन रहा है। एक एकड़ में करीब पांच करोड़ रुपये की लागत से इसे बनवाया जा रहा है। यहां करीब 250 लोगों को रोजगार मिलेगा। होटल रिसॉर्ट में आधुनिक सुविधाएं रहेंगी। रेस्टोरेंट, स्विंगपूल, शॉपिंग के लिए दुकान भी रहेंगी।

वर्तमान में 591.52 करोड़ की परियोजनाएं संचालित

उद्योग मित्र प्रियंक मणि त्रिपाठी ने बताया कि 184 परियोजनाओं के लिए 1746.29 करोड़ का एमओयू हुआ है। इसमें राइसमिल, होटल, फ्लोर मिल, मेडिकल कॉलेज, कोल्ड स्टोर, वाटर पार्क, आरा मशीन समेत अन्य औद्योगिक इकाई संचालित हैं। 114 इकाई 591.52 करोड़ की संचालित हो रही है। इसमें होटल, सिनेमा हाल, मेडिकल कॉलेज आदि शामिल हैं। उद्योगों के संचालन में आने वाली समस्याओं को विभागीय स्तर से दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। जिले में उद्योग धंधों के विकास को आगे बढ़ने का प्रयास जारी है।

बोले कारोबारी

सिनेमा हाल संचालित हो रहा है। मॉल भी बनकर तैयार है। सुविधाओं को बढ़ाने के लिए प्रयास किया जा रहा है। होटल रिसॉर्ट बनाने का काम जारी है। कुछ समस्याएं हैं, उसे दूर करने के बाद काम तेजी से आगे बढ़ेगा। आने वाले दिनों में लोगों को बेहतर सुविधा मिलेगी।

- राकेश गुप्ता, कारोबारी

होटल का काम लगभग पूरा हो चुका है। अंदर रंगाई-पुताई समेत जरूरी कार्य कराए जा रहे हैं। चार माह के अंदर होटल संचालित हो जाएगा। लोगों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिलने के साथ ही बाहर से आने वाले पर्यटकों को रूकने के लिए आरामदायक आधुनिक होटल मिलेगा।

- शशिकांत पटेल, कारोबारी

इन्वेस्टर्स समिट में साइन हुए एमओयू के जरिए जिले में औद्योगिक विकास को गति मिली है। रोजगार के अवसर मिले हैं। आधुनिक सुविधाओं से लैस रिसॉर्ट जिले में हैं। आने वाले दिनों में यूनिट की स्थापना होगी।

- अभिषेक प्रियदर्शी, उपायुक्त, उद्योग

इन प्रमुख परियोजनाओं का संचालित होने का इंतजार

- पीएस ट्रेडिंग कंपनी का गेस्ट हाउस
- यंग ट्रस्ट ऑटो केयर का रिसार्ट होटल
- हनुमत बायो एनर्जी का कंप्रेस्ड बायो गैस प्लांट